श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- माण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 24 * अंक : 15 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 1 नवम्बर 2018 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

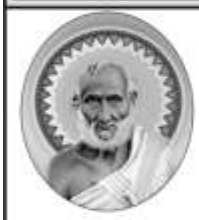

माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेशश्री द्वारा उम्मेदाबाद गुरु मन्दिर प्रतिष्ठा मुहूर्त्त प्रदान

आचार्यश्री की निश्रा में प्रतिष्ठा आगामी 15 फरवरी 2019

उदयपुर, (स. सं),

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, समन्वयवादी, सूरिमन्त्राराधक, आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की निश्रा में सन् 2018 के भव्यातिभव्य चातुर्मास अनेक कार्यक्रमों के साथ गतिमान है। श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट) एवं श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ) के तत्वावधान में आयोजित धार्मिक एवं जनकल्याण के कार्यक्रम भव्यातिभव्य रूप से गुरुभक्तों की विशाल उपस्थिति में आचार्यदेवेशश्री की निश्रा में सानन्द सम्पन्न हो रहे हैं।

प्रसन्नमुद्रा में आचार्यश्री एवं मुनिमण्डल

दिनांक 22-10 2018 को श्री माण्डवपुर तीर्थ में आचार्यदेवेशश्री के वरद् हस्तों से उम्मेदाबाद (गोल) में सेठ परिवार द्वारा निर्मित श्री राजेन्द्रसूरि गुरु मन्दिर की प्रतिष्ठा मुहुर्त्त लेने श्रीसंघ के प्रतिनिधि पधारे।

उम्मेदाबाद (गोल) नगर से सेठ परिवार श्रीसंघ सहित लगभग 500 प्रतिनिधियों के साथ श्री माण्डवपुर तीर्थ पहुँचे। सर्वप्रथम शहनाई की मधुर कर्णप्रिय स्वरलहरियों पर नाचते-जय-जयकार करते वीरप्रभु, गुरु मन्दिर एवं समाधि मन्दिर के दर्शन-वन्दन कर नाचते-गाते व्याख्यान मण्डप में पहुँचे। जहाँ मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने सामूहिक गुरु वन्दन करवाया। पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी महाराजा के पट्टधर माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. ने मंगलाचरण कर सभा प्रारम्भ की। दियावट पट्टी के लाड़ले आचार्यश्री ने अपने प्रवचन में उम्मेदाबाद (गोल) श्रीसंघ के विशाल संख्या में प्रतिष्ठा मुहूर्त्त ग्रहण करने आने पर हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सेठ परिवार द्वारा निर्मित गुरु मन्दिर की प्रतिष्ठा का मुहूर्त्त आगामी 15 फरवरी 2019 का प्रदान किया तथा साथ ही गुरु मन्दिर की प्रतिष्ठा भव्य एवं ऐतिहासिक रूप से सुसम्पन्न करने का मंगलाशीर्वाद भी प्रदान किया।

समाज एकता के प्रबल पक्षधर आचार्यदेवेशश्री ने सामाजिक एकता पर बल देते हुए समाज में व्याप्त कुछ रीति-रिवाजों में बदलाव लाने की बात करते हुए कहा कि हम सबको प्रयास कर इनमें शीघ्र ही बदलाव लाना होगा। माण्डवपुर तीर्थ की

आचार्यश्री के प्रवचनामृत का रसपान करते गुरुभक्त

प्रतिष्ठा की चर्चा करते हुए आचार्यश्री ने समस्त प्रवासी राजस्थानियों को प्रत्यक्ष आमन्त्रण देने व जोड़ने हेतु दक्षिण भारत की ओर विहार की भावना व्यक्त की। तीर्थ विकास के क्रम में प्राप्त हो रहे सहयोग हेतु सभी दानदाताओं की अनुमोदना भी की।

प्रतिष्ठा मुहूर्त्त हेतु विनती-पत्र प्रस्तुत करते श्रीसंघ व सेठ परिवार

आचार्यश्री प्रतिष्ठा का मुहूर्त्त प्रदान करते हुए

आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. ने सेठ परिवार की वर्षों की भावना को पूर्णता प्रदान करते हुए माघ शुक्ला दशमी दिनांक 15 फरवरी 2019 का शुभ मुहूर्त्त श्री राजेन्द्रसूरि गुरु मन्दिर प्रतिष्ठा का प्रदान किया तो सेठ कुन्दनमल, रिखबचन्द, मुन्नीलाल लुंकड़ चेरिटेबल ट्रस्ट के सभी परिवार सदस्यगण में जयघोष के साथ हर्ष की लहर छा गई। सम्पूर्ण व्याख्यान मण्डप जय-जयकारों के नाद से गूँजायमान हो गया एवं सभी ने परस्पर हर्ष प्रकट करते हुए बधाई अर्पित की तथा आचार्यश्री के प्रति कृतज्ञता प्रकट की।

चातुर्मास आयोजक श्रीमती अणसीदेवी गोपीलालजी श्रीश्रीमाल परिवार द्वारा सेठ परिवार का बहुमान किया गया। आचार्यश्री के मांगलिक के परचात् सभी को प्रभावना वितरीत की गई।

चातुर्मास लाभार्थी परिवार द्वारा सेठ परिवार का बहुमान

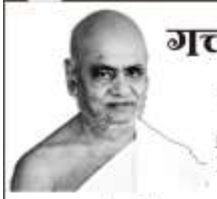

गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में ओलीजी भव्य आराधना की पूर्णाहूति हासामपुरा तीर्थ का एक दिवसीय पदयात्रा संघ सम्पन्न एवं त्रिदिवसीय महोत्सव के साथ गुरु मन्दिर की प्रतिष्ठा सम्पन्न

उदयपुर, (स. सं),

श्री अवन्ति पार्श्वनाथ की पावन नगरी, एवं श्रीपाल-मयणा की आराधना स्थली उज्जैन में प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी महाराजा के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की निश्रा में त्रिस्तुतिक श्रीसंघ उज्जैन के तत्वावधान में चल रहे स्वर्णिम चातुर्मास में अनेकानेक कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं।

पूज्य गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की पावन निश्रा में चातुर्मास के अन्तर्गत शाश्वती श्री नवपद ओलीजी की आराधना दिनांक 16-10-2018 से दिनांक 24-10-2018 तक नवदिवसीय सानन्द सम्पन्न हुई। संघ अध्यक्ष श्री मनीषजी कोठारी ने बताया कि लगभग 700 आराधकों ने ओलीजी की आराधना पूर्ण की। ओलीजी के लाभार्थी श्रीमती मनोरमाबेन श्री पारसचन्दजी कोठारी परिवार ने सभी आराधकों का बहुमान करते हुए आभार व्यक्त किया।

गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरिजी म. सा. आदि ठाणा एवं स्थानकवासी सन्तों का मधुर मिलन स्थानक में एक लाख नवकार मन्त्र के जाप के अवसर पर हुआ। स्नेहपूर्ण वातावरण में दोनों सम्प्रदायों के सन्तों ने एक पाट पर विराजमान होकर जैन एकता की मिसाल कायम करते हुए प्रवचन प्रदान किया। इस अवसर पर नवकार के आराधक एवं दोनों सम्प्रदायों के हजारों गुरुभक्त उपस्थित थे।

नवपद ओली लाभार्थी परिवार आराधक तपस्वियों की सुखपृच्छा पूछते हुए

श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ, उज्जैन एवं श्री ऋषभदेवजी छगनीरामजी पेढ़ी ट्रस्ट, खाराकुआ द्वारा आयोजित इस ओलीजी आराधना में देश के अनेक नगरों के श्रावक-श्राविकाओं ने आकर आराधना की। प्रतिदिन गच्छाधिपतिश्री एवं मुनिराजश्री विद्वद्रत्नविजयजी म. सा. व मुनिराजश्री सिद्धरत्नविजयजी म. सा. द्वारा नवपद की सारगर्भित विवेचना अपने प्रवचन के माध्यम से की।

गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं श्रमण-श्रमणियों की पावन निश्रा में दिनांक 28-10-2018 को उज्जैन नगर से हासामपुरा तीर्थ छःरि पालित पदयात्रा संघ का आयोजन श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ-उज्जैन एवं अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् परिवार-उज्जैन के तत्वावधान में किया गया।

गच्छाधिपति के सान्निध्य में प्रातः 5 बजे पदयात्रा संघ का मंगल प्रयाण कर विशाल संख्या में पदयात्री प्रातः 8 बजे बैण्ड-बाजे, ढोल आदि के साथ हासामपुरा तीर्थ में मंगल प्रवेश किया। जहाँ तीर्थ प्रवेश द्वार पर ट्रस्ट मण्डल ने स्वागत-वन्दन-गहुँली कर गच्छाधिपतिश्री को बधाया। तत्पश्चात् प्रभु दर्शन एवं सामूहिक चैत्यवन्दन किया गया। नवकारसी के बाद 9.30 बजे धर्मसभा का प्रारम्भ गच्छाधिपतिश्री के मंगलाचरण से हुआ। मुनिमण्डल ने भी तीर्थयात्रा और उसमें भी पदयात्रा का महत्व बताते हुए प्रवचन प्रदान किया। पदयात्रा संघ के लाभार्थी परिवार श्री मनोहरलालजी मिश्रीलालजी खाबिया, नमकमण्डी-उज्जैन को संघमाला पहनाई गई। सभी पदयात्रियों एवं पधारे अतिथियों का स्वामीवात्सल्य किया गया। दोपहर में श्री पार्श्वनाथ पंचकल्याणक पूजा पढ़ाई गई।

श्री राजेन्द्रसूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट, हासामपुरा तीर्थ में गुरु मन्दिर प्रतिष्ठा के निमित्त त्रिदिवसीय आयोजन दिनांक 27 से 29 अक्टूबर तक संघवी परिवार (बाग वाला) की ओर से किया गया। दिनांक 29-10-2018 को गुरु मन्दिर की प्रतिष्ठा प्रातः शुभ लग्ननवमांश में गच्छाधिपति की निश्रा में विधि-विधान के साथ की गई। यहाँ से विहार कर गच्छाधिपतिश्री एवं मुनिमण्डल श्री राजेन्द्र शोध संस्थान पधारेंगे।

सन्तकवि की जयन्ती पर गुणानुवाद

उदयपुर (स.सं.)

आध्यात्मिक सन्तकवि, ज्योतिष विद्या के प्रकाण्ड विद्वान, शाश्वत-धर्म मासिक के प्रधान सम्पादक पण्डित श्री सूरजचन्दजी शास्त्री डाँगी 'सत्यप्रेमी' की 104 वें अवतरण दिवस पर प्रबुद्ध नागरिक सेवा संस्थान, निम्बाहेड़ा द्वारा 'एक शाम श्री सूर्यभानू डाँगीजी के नाम' कवि सम्मेलन एवं गुणानुवाद सभा का आयोजन महावीर भवन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सत्यप्रेमीजी के चित्र पर अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य श्री डॉ. कमल नाहर ने की, विशिष्ट अतिथि प्रसिद्ध चिकित्सक श्री डॉ. हलीम खाँ, संस्कृत के प्रकाण्ड विद्वान श्री शान्तप्रकाश 'सत्यदास', समाजसेवी, गौभक्त श्री सोहनलाल जैन एवं श्री हस्तीमल सेठिया थे।

कवि सम्मेलन का शुभारम्भ माँ सरस्वती की वन्दना से हुआ। डॉ. मुकुन्दसागर ने सत्यप्रेमीजी को काव्यमय श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए वीर रस की कविता से वातावरण को ओज से भर दिया। जैनसमाज के लाड़ले श्री फतहलाल मारू ने अपनी ओजस्वी वाणी में श्री डाँगीजी की कविता सर्वधर्म समभाव की प्रस्तुत कर समाँ बान्ध दिया। कमलेश सहज नागदा ने हास्य की रचनाओं से खूब हँसाया। शायर अजीज एहमद ने मधुर स्वर से गजल प्रस्तुत की। राष्ट्रीय कवि कुलदीप प्रियदर्शी, उदयपुर ने मधुर स्वर में सत्यप्रेमीजी के जीवन को चार पंक्तियों में सुनाकर वर्तमान परिस्थिति पर व्यंग्य करते हुए अपने गीत 'झर आए, बह आए, बह आए दो नैना हैं, फिर से लुट गई बहना है। माँ-बहनों की लाज लुटके निर्भय घूमें दरिन्दे हैं... सुनाकर वाहवाही लूटी। श्री शान्तप्रकाश सत्यदास ने पण्डितजी के संस्मरण सुनाते हुए कहा कि वह मेरे बड़े भ्राता थे और उनसे ही मैंने बहुत कुछ सीखा है आज मै साहित्य के जिस मुकाम पर हूँ उसमें उनका योगदान अविस्मरणीय है। सत्यदासजी ने मुक्तक एवं अद्भुत चालीसा के कुछ छन्द प्रस्तुत कर सबको सम्मोहित कर दिया। सत्यप्रेमीजी के सुपुत्र श्री विजयप्रकाश डाँगी ने सभी अतिथियों, कवियों, शायरों एवं संस्था के साथ पधारे श्रोताओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध एडवोकेट श्री शान्तिचन्द्र मेहता ने पण्डितजी की सर्वधर्म पर रचित पुस्तक 'मन्थन महाशास्त्र' के पुनर्मुद्रण की घोषणा की और मुद्रण हेतु सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

ओलीजी की आराधना सम्पन्न

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्ती श्रमण-श्रमणियों की निश्रा में देश के विभिन्न नगरों में आयोजित चातुर्मास में शाश्वती श्री नवपद ओली की आराधना हजारों की संख्या में साधना-आराधना के साथ सम्पन्न हुई।

भारतनगर मुम्बई-

श्रुतप्रभावक मुनिराजश्री वैभवरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में शाश्वती श्री नवपद ओलीजी की आराधना पूर्ण हुई। प्रतिदिन मुनिराजश्री द्वारा नवपद के माहात्म्य पर अपनी विशिष्ट शैली में प्रवचन प्रदान करते हुए ओलीजी की महिमा का वर्णन किया गया।

श्री भारतपगर जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ, भारतनगर-मुम्बई द्वारा आयोजित सम्पूर्ण ओलीजी का लाभ धाणसा (हाल-मुम्बई) निवासी श्रीमती फेन्सीबेन सुखराजजी चमनाजी कबदी परिवार, गोल्डन ग्रुप-धाणसा-मुम्बई ने लिया।

जोधपुर-

पू. साध्वीश्री दर्शनकलाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा-9 की निश्रा में श्रावक-श्राविकाओं ने ओलीजी की आराधना पूर्ण की। प्रतिदिन साध्वीश्री ने नवपद के माहात्म्य पर प्रवचन प्रदान करते हुए ओलीजी की महिमा का वर्णन किया।

श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ, खेरोदियों का वास, जोधपुर द्वारा आयोजित सम्पूर्ण ओलीजी का लाभ श्री किशोरराजजी गौतमराजजी सुराणा परिवार (पारलू वाले) जोधपुर ने लिया। साध्वीश्री के दर्शनार्थ अनेक गुरुभक्तों का आगमन हो रहा है।

भाटपचलाना-

पू. साध्वीश्री भाग्यकलाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में भाटपचलाना में ओलीजी की आराधना सम्पन्न हुई। प्रतिदिन साध्वीश्री ने नवपद की महिमा बताते हुए श्रीपाल-मयणा चरित्र का वर्णन किया। ओलीजी में गुरुभक्तों ने उत्साह से भाग लिया।

सम्पूर्ण ओलीजी का लाभ श्री विमलकुमारजी गेन्दालालजी गिरिया परिवार, भाटपचलाना ने लिया। साध्वीश्री के दर्शनार्थ श्रीसंघों एवं गुरुभक्तों का आगमन हो रहा है।

महिदपुर रोड़-

पू. साध्वीश्री विद्वद्गुणाश्रीजी म. सा. एवं साध्वीश्री रश्मिप्रभाश्रीजी आदि ठाणा की शुभनिश्रा में महिदपुर रोड़ में ओलीजी की आराधना सम्पन्न हुई। साध्वीश्री की प्रेरणा से पंचाह्निका महोत्सव सकल जैन श्रीसंघ द्वारा आयोजित किया गया। प्रतिदिन विविध पूजाएँ पढ़ाई गई। प्रथम दिन श्री जयन्तसेनसूरि गुरुपद महापूजन जिसका लाभ श्री प्रकाशचन्दजी अरविन्दकुमारजी बरड़िया परिवार द्वारा, द्वितीय दिन श्री पार्श्वनाथ पंचकल्याणक पूजन जिसका लाभ सिद्धितप तपस्वी परिवार द्वारा, तृतीय दिन श्री अठारह अभिषेक पूजन जिसका लाभ सकल जैन श्रीसंघ द्वारा, चतुर्थ दिन श्री राजेन्द्रसूरि गुरुपद महापूजन जिसका लाभ श्री रमेशचन्दजी, पारसमलजी, मनोहरलालजी, दिलीपकुमारजी, शेखरकुमारजी, निलेशकुमारजी, रितेशकुमारजी, रविकुमारजी भण्डारी परिवार (खारवा वाला) द्वारा एवं पंचम दिन श्री सिद्धचक्र महापूजन जिसका लाभ श्री मैरूलालजी, रमेशचन्दजी, पारसमलजी, दिनेशकुमारजी, राजेशकुमारजी, अजीतकुमारजी, राहुलकुमारजी बोथरा परिवार द्वारा एवं पत्रिका में जय जिनेन्द्र का लाभ श्री समरथमलजी, शुभमकुमारजी, संकेशकुमारजी चौरड़िया परिवार ने लिया।

श्री सचिनजी भण्डारी ने चलभाष पर जानकारी देते हुए बताया कि पाँचों ही दिन के कार्यक्रमों में गुरुभक्तों की उपस्थिति विशाल संख्या में रही। महोत्सव में संगीत की स्वरलहरियाँ दिलीप दिलबर पार्टी ने मधुर स्वर में पूजन एवं भक्ति में बिखेर कर चार चाँद लगा दिए। पू. साध्वीश्री विद्वद्गुणाश्रीजी म. सा. की 22वीं एवं श्री रश्मिप्रभाश्रीजी म. सा. की 70वीं ओलीजी के पारणे का लाभ श्री समरथमलजी, शुभमकुमारजी, संकेशकुमारजी चौरड़िया परिवार महिदपुर रोड़ ने लिया।

सम्मेतशिखरजी पंचतीर्थी हेतु प्रयाण

उदयपुर (स.सं.)

कलिकाल-कल्पतरु, विश्वपूज्य दादागुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. द्वारा तीर्थोद्धारित भूमि जालोर में प. पू. राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी पू. साध्वीश्री संवेगप्रियाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में दिनांक 26-10-2018 को जालोर वर्षीतप के आराधकों का श्री सम्मेतशिखरजी पंचतीर्थी यात्रा हेतु विजय मुहूर्त में मंगल प्रयाण हुआ।

इस यात्रा का लाभ श्री पवनचन्द्रजी भण्डारी परिवार ने लिया। लाभार्थी परिवार ने श्रमण-श्रमणिवृन्द आदि ठाणा व जालोर श्रीसंघ का सामैया अपने निवास स्थान पर करवाया। वहीं पर धर्मसभा का आयोजन किया गया। धर्मसभा में साध्वीश्री संवेगप्रियाश्रीजी म. सा. ने तीर्थयात्रा के महत्व को अपने प्रवचन के माध्यम से बताया तो सभी यात्रियों में हर्षोल्लास छा गया। धर्मसभा को अन्य समुदाय के श्रमण-श्रमणियों ने भी सारगर्भित प्रवचन के माध्यम से सम्बोधित किया। सभी यात्रियों को हवाईयात्रा का लाभ मिला।

परिषद् भवन का भूमि व शिला पूजन

उदयपुर (स.सं.)

राजगढ़ नगर के न्यू बस स्टेण्ड पर स्थित परिषद् भवन के पुनर्निर्माण हेतु भूमि पूजन व शिला स्थापना शुभ मुहूर्त में दिनांक 22-10-2018 को गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के मंगलाशीर्वाद से सम्पन्न हुआ।

भूमि पूजन एवं शिला स्थापना की क्रिया नवयुवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेशभाई धरू, श्रीसंघ के प्रदेशाध्यक्ष श्री सुरेशजी तातेड़ एवं नवयुवक परिषद् के राष्ट्रीय मन्त्री श्री दिनेशजी मामा ने विधि विधान के साथ सम्पन्न की। इस अवसर पर श्री जयन्तसेन म्यूजियम के सचिव श्री मुकेश नाकोड़ा, परिषद् के राष्ट्रीय महामन्त्री श्री अशोकजी श्रीश्रीमाल, श्री कान्तिलालजी भण्डारी, राष्ट्रीय सहरक्षक मन्त्री श्री संजयजी मेहता, नवयुवक परिषद् अध्यक्ष श्री नाँगीलालजी मामा, तरुण परिषद् अध्यक्ष श्री धवल डाँगी, परिषद् भवन प्रबन्धक श्री दिलीपजी भण्डारी व बाग, राजगढ़ श्रीसंघ तथा परिषद् परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

भूमि पूजन के पश्चात् प्रभु श्री पार्श्वनाथजी एवं दादा गुरुदेव श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी, आचार्यदेव श्री यतीन्द्रसूरीश्वरजी व पुण्य-सम्राट श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के चित्रों के सम्मुख दीप प्रज्वलन श्री धरू व श्री तातेड़ ने किया। श्री नवकार मन्त्र का जाप व श्री शान्तिस्तोत्रम् का पाठ भी किया गया। समारोह में नवकारसी राजगढ़ परिषद् की ओर से श्री कैलाशचन्द्रजी बाबूलालजी धारीवाल ने करवाई।

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

आचार्यदेवेशश्री द्वारा सियाणा श्रीसंघ को पत्रिका लेखन मुहूर्त्त प्रदान

उदयपुर (स. सं.)

सियाणा (राज.) में होने वाली श्री केशरियानाथ-राजेन्द्रसूरि मन्दिर की भव्य प्रतिष्ठा महामहोत्सव हेतु अब तक के कार्यों की जानकारी व विचार विमर्श हेतु दिनांक 24-10-2018 को प्रातः 10 बजे शान्ति भवन में प्रतिष्ठा हेतु बनाई 51 सदस्यों व 21 मुख्य समिति के सदस्यों की (सभी 6 ट्रस्टियों के साथ) बैठक बुलाई गई। बैठक में चर्चा कर सभी उपस्थित सदस्यों के साथ भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के दर्शन-वन्दन कर प्रतिष्ठा हेतु मार्गदर्शन लेने पधारे।

कार्यदक्ष मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. ने जानकारी देते हुए बताया कि सूरिमन्त्राराधक आचार्यदेवश्री ने प्रतिष्ठा महोत्सव के चढ़ावे की जाजम पर पधारने हेतु पत्रिका लेखन का शुभमुहूर्त्त दिनांक 25-10-2018 प्रातः 7.15 बजे का प्रदान किया। सियाणा में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यदेवश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. के सुशिष्यरत्न तपस्वी मुनिराजश्री अमृतरत्नविजयजी म. सा. एवं प्रवचनदक्ष मुनिराजश्री जिनरत्नविजयजी म. सा. की पावन निश्रा में श्री केशरियाथ प्रभु एवं दादा गुरुदेव श्री राजेन्द्रसूरिजी म. सा. के जयघोष के साथ श्रीसंघ की उपस्थिति में शुभमुहूर्त्त में पत्रिका लेखन प्रारम्भ किया।

नवपद ओलीजी आराधना सम्पन्न

उदयपुर (स. सं.)

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के पट्टधरद्वय की आज्ञानुवर्तिनी मालवसिंहनी साध्वीश्री प्रीतिदर्शनाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में भीनमाल नगर में शाश्वती नवपद ओलीजी आराधना ठाठबाट के साथ 70 आराधकों के साथ सम्पन्न हुई। साध्वीश्री ने नवपद के स्वप्न, गुणों का और श्रीपाल-मयणा के चरित्र का प्रवचन के माध्यम से सुन्दर शैली में विवेचन किया तथा पाठशाला के बच्चों ने नाट्यमंचन के द्वारा बहुत ही मनमोहक ढंग से श्रीपाल-मयणा चरित्र को प्रस्तुत किया तब आराधकों में हर्ष और उत्साह की अभिवृद्धि हो गई।

ओलीजी आराधना का लाभ पुण्यशाली श्री सुमेरमलजी नाहर परिवार ने लेकर अपनी सुकृत लक्ष्मी का सदुपयोग किया।

साध्वीश्री आदि ठाणा के दर्शन-वन्दन करने श्रीसंघों एवं गुरुभक्तों का आगमन निरन्तर जारी है।

प्रतिष्ठोत्सव पर पधारने हेतु विनती

उदयपुर (स. सं.)

श्री भाण्डवपुर तीर्थ में दिनांक 26-10-2018 को प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. को प्रतिष्ठा की विनती करने श्री फतापुरा जैन संघ के प्रतिनिधि पधारे।

आचार्यश्री का आशीर्वाद प्राप्त करते फतापुरा जैन संघ प्रतिनिधि

संघ प्रतिनिधियों ने दर्शन-वन्दन कर फतापुरा नगर में आयोजित दिनांक 21-2-2019 को श्री पार्श्वनाथ जिनमन्दिर प्रतिष्ठोत्सव में पधारने हेतु भाव भरी विनती की। आचार्यदेवश्री ने प्रसन्नमुद्रा में सभी को स्वीकृति प्रदान की।

फतापुरा में प. पू. गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं आपश्री द्वारा प्रदत्त मुहूर्त्तानुसार यह अष्टाह्निका महोत्सव दिनांक 15-2-2019 से प्रारम्भ होगा। भव्य प्रतिष्ठा महोत्सव हेतु अग्रिम तैयारियाँ श्रीसंघ में जोरशोर से गतिमान है।

बैंगलोर परिषद् द्वारा अनुकरणीय कार्य

महिला परिषद् के साथ प्रसन्नमुद्रा में बच्चे

अ. भा. श्री राजेन्द्र महिला परिषद्, बैंगलोर द्वारा दिनांक 19-10-2018 को पाठशाला के बच्चों को आश्रम लेकर गए जहाँ बच्चों द्वारा मिठाई, फल, एवं खिलौने वितरीत किए गए। महिला परिषद् ने बालकों में परोपकार एवं दान के संस्कारों का बीजारोपण करने के उद्देश्य से यह आयोजन किया। अगर बच्चों को अभी से सुसंस्कारित किया जायेगा तो भावी जीवन में यही बालक जिनशासन को गौरवान्वित करेंगे। यतीन्द्र वाणी परिवार की ओर से अनुमोदना।

योगी-वाणी

मनुष्य पहचान सर्वप्रथम उसके चेहरे से होती होगी

परन्तु...

उसकी सम्पूर्ण पहचान उसकी वाणी, विचार एवं कार्यों से होती है।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने वहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

स. सम्पादक
कुलदीप डोंगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना- प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है। चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजें।

✲ लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। ✲ सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित